



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, वीरवार, 25 अगस्त, 2005/3 भाद्रपद, 1927

हिमाचल प्रदेश सरकार

लोक निर्माण विभाग

अधिसूचना

शिमला-171 002, 5 अगस्त, 2005

संख्या पी०बी० डब्ल्यू(ए)-ए(३)-१/२००५ - हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद ३०९ के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, इस विभाग की अधिसूचना संख्या पी०बी० डब्ल्यू-ए-बी(२)-१/९४, तारीख २५-४-१९९७ द्वारा अधिसूचित और अधिसूचना संख्या पी०बी० डब्ल्यू-ए-बी(२)-१/९४, तारीख १९-११-१९९९ तथा संख्या पी०बी० डब्ल्यू-ए-ए(३)-१/२००५, तारीख २६-४-२००५ द्वारा संशोधित, हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग में सहायक अभियन्ता (यान्त्रिक) वर्ग-१ (राजपत्रित) तकनीकी सेवाएं भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, १९९७ में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

१. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ. (१) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग सहायक अभियन्ता (यान्त्रिक) वर्ग-१ (राजपत्रित) तकनीकी सेवाएं भर्ती एवं प्रोन्नति (तृतीय संशोधन) नियम, २००५ है।

(२) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाबन्ध "क" का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग, सहायक अभियन्ता (यान्त्रिक) वर्ग-1 (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1997 के उपाबन्ध "क" में:—

(1) स्तम्भ संख्या 2 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :

"27 (सत्ताईस)"

(2) स्तम्भ संख्या 11 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

"निम्नलिखित में से प्रोन्नति द्वारा :—

- (i) "कनिष्ठ अभियन्ता (यान्त्रिक) में से, जिनका 7 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई निरन्तर तदर्थ सेवा सहित 7 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो, और अनर्हित कनिष्ठ अभियन्ता (यान्त्रिक) में से, जिनका कम से कम 15 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई निरन्तर तदर्थ सेवा सहित 15 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो . 50%
- (ii) कनिष्ठ अभियन्ता (यान्त्रिक) में से जिन्होंने कनिष्ठ अभियन्ता (यान्त्रिक) अपने सेवाकाल के दौरान ए0एम0आई0ई0 या इसके समतुल्य उपाधि प्राप्त की हो और जिनका 3 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई निरन्तर तदर्थ सेवा सहित 3 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो . 10%
- (iii) कनिष्ठ अभियन्ता (यान्त्रिक) में से जिनके पास कनिष्ठ अभियन्ता (यान्त्रिक) के रूप में नियुक्ति के समय मकैनिकल इन्जीनियरिंग या इसके समतुल्य स्नातक की उपाधि प्राप्त हो और जिनका 3 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई निरन्तर तदर्थ सेवा सहित 3 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो . 10%

सीधी भर्ती द्वारा और प्रोन्नति द्वारा पदों को भरने के लिए निम्न रोस्टर होगा, अर्थात् :

विन्दु संख्या	प्रवर्ग (श्रेणी)
प्रथम पद	डिप्लोमा कनिष्ठ अभियन्ता/अनर्हित कनिष्ठ अभियन्ता
द्वितीय पद	डिप्लोमा कनिष्ठ अभियन्ता/अनर्हित कनिष्ठ अभियन्ता
तृतीय पद	सीधी भर्ती
चतुर्थ पद	ए0एम0आई0ई0 कनिष्ठ अभियन्ता
पांचवां पद	डिप्लोमा कनिष्ठ अभियन्ता/अनर्हित कनिष्ठ अभियन्ता
छठा पद	सीधी भर्ती
सातवां पद	स्नातक कनिष्ठ अभियन्ता
आठवां पद	डिप्लोमा कनिष्ठ अभियन्ता/अनर्हित कनिष्ठ अभियन्ता
नौवां पद	दसवां पद
दसवां पद	डिप्लोमा कनिष्ठ अभियन्ता/अनर्हित कनिष्ठ अभियन्ता

रोस्टर प्रत्येक 10वीं रिक्ति के पश्चात् तब तक दोहराया जाता रहेगा जब तक की दी गई प्रतिशतता तक सभी प्रवर्गों को प्रतिनिधित्व प्राप्त नहीं हो जाता। तत्पश्चात् रिक्ति उस प्रवर्ग से भरी जानी है जिसमें पद रिक्त होता है।

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में, पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए, इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी कि सम्भरण प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को ध्यानाने के पश्चात् की गई थी। परन्तु यह कि उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यवित सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल (तदर्थ आधार पर की गई सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के

अनसंभरण में हो) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किये जाने का पात्र हो जाता है, वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/काडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किये जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जाएंगे :

परन्तु उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवम् प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा, जो भी कम हो, होगी :

परन्तु यह और कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा/समझे जायेंगे।

स्पष्टीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जाएगा/समझे जाएंगे यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे डिमोबिलाईज्ड आर्मंड फोर्सिस परमोनल (रिजर्वेशन आफ वैकेन्सीज इन हिमाचल स्टेट नान टेक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1972 के नियम-3 के उपबन्धों के अधीन भर्ती किया गया हो तथा इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे एक्स-सर्विसमैन (रिजर्वेशन आफ वैकेन्सीज इन दी हिमाचल प्रदेश टेक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम-3 के उपबन्धों के अधीन भर्ती किया गया हो व इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गये हों।

(2) इसी प्रकार स्थाईकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व सम्भरण पद पर की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवम् प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी :

परन्तु उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थाईकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

(3) स्तम्भ संख्या 14 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:

“किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी का भारत का नागरिक होना आवश्यक है।”

(4) स्तम्भ संख्या 16 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:

“सेवा में नियुक्ति, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन-जातियों/अन्य पिछड़े वर्गों और अन्य प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए सेवा में आरक्षण की बाबत जारी किए गये आदेशों के अधीन होगी।”

(5) स्तम्भ संख्या 17 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“सेवा में प्रत्येक सदस्य को हिमाचल प्रदेश विभागीय परीक्षा नियम, 1997 में यथाविहित परीक्षा पास करनी होगी।”

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
प्रधान सचिव।

{Authoritative English text of this Department Notification No. PBW-A-A(3)-1/2005, dated 5-8-2005 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India}.

PUBLIC WORKS DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 5th August, 2005

No. PBW-A-A(3)-1/2005.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following rules further to amend the Himachal Pradesh Public Works Department, Assistant Engineer (Mech.) Class-I (Gazetted), Recruitment and Promotion Rules, 1997 notified *vide* this Department notification number PBW-(A)B(2)-1/94, dated 25-4-1997 and further amended *vide* this department notification number PBW-(A)B(2)-1/94, dated 19-11-1999 and No. PBW-A-A(3)-1/2005, dated 26-4-2005, namely :—

1. *Short title and commencement.*—(i) These Rules may be called the Himachal Pradesh Public Works Department, Assistant Engineer (Mech.) Class-I (Gazetted) Recruitment and Promotion (Third Amendment) Rules, 2005.

(ii) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

(2) *Amendment of Annexure 'A'.*—In Annexure 'A' to the Himachal Pradesh Public Works Department, Assistant Engineer (Mech.) Class-I (Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1997 :—

(a) For the existing provision against column No. 2, the following shall be substituted, namely :—

“27 (Twenty Seven)”

(b) For the existing provision against Column No. 11, the following shall be substituted, namely :—

(i) Junior Engineer (Mech.) having 7 years regular or regular combined with continuous *ad hoc* service in the grade and unqualified Junior Engineer (Mech.) with 15 years regular or regular combined with continuous *ad hoc* service in the grade .. 50%

(ii) Junior Engineer (Mech.) who acquire AMIE or its equivalent degree during service as Junior Engineer (Mech.) having 3 years regular or regular combined with continuous *ad hoc* service in the grade .. 10%

(iii) Junior Engineer (Mech.) who possess degree in Mechanical Engineering or its equivalent at the time of appointment as Junior Engineer (Mech.) having 3 years regular or regular combined with continuous *ad hoc* service rendered in the grade .. 10%

The roster for filling up of the posts by direct recruitment and by promotion will be as under :—

1st post	JE Dip./Unqualified
2nd post	do.

3rd post	Direct
4th post	JE AMIE
5th post	JE Dip./Unqualified
6th post	Direct
7th post	JE Graduate
8th post	JE Dip./Unqualified
9th post	Direct
10th post	JE Dip./Unqualified

(The roster will be repeated after every 10th vacancies till the representation to all the categories is achieved upto the given percentage. Thereafter, the vacancy is to be filled up from the category which vacates the post).

(1) In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of R & P Rules:

Provided that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his/her total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis followed by regular service/appointment) in the feeder post in view of the provision referred to above, all persons senior to him/her in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided further that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of atleast three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less :

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of the preceding proviso, the person(s) junior to him/her shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbent(s) ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible person(s) happened to be Ex-servicemen recruited under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Rule-3 of the Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

(2) Similarly, in all cases of confirmation *ad hoc* service rendered in the feeder post, if any, prior to the regular appointment/promotion against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provision of the R & P Rules :

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account *ad hoc* service rendered as referred to above shall remain unchanged.

- (c) For the existing provision against column No. 14, the following shall be substituted, namely:—
 "A candidate for appointment to any service or post must be a citizen of India".
- (d) For the existing provision against Col. No. 16, the following shall be substituted, namely:—
 "The appointment to the service shall be subject to orders regarding reservation in the service for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/Other Backward Classes/Other categories of persons issued by the Himachal Pradesh Government from time to time".
- (e) For the existing provision against Col. No. 17, the following shall be substituted, namely:—
 "Every member of the service shall pass a Departmental Examination as prescribed in the H. P. Departmental Examination Rules, 1997, as amended from time to time."

By order,

Sd/-
 Principal Secretary.